

55



::आयुक्त (अपील्स) का कार्यालय, वस्तु एवं सेवा कर और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क::
O/O THE COMMISSIONER (APPEALS), GST & CENTRAL EXCISE,

द्वितीय तल, जी एस टी भवन / 2nd Floor, GST Bhavan,
रेस कोर्स रिंग रोड, / Race Course Ring Road.

राजकोट / Rajkot - 360 001

Tele Fax No. 0281 - 2477952/2441142 Email: cexappealsrajkot@gmail.com



सत्यमेव जयते

रजिस्टर्ड डाक ए. डी. द्वारा :-

क	अपील - फाइल संख्या Appeal / File No.	मूल आदेश नं / OID No.	दिनांक / Date
	V2/85/GDM/2016	02/AC/Anjar/2016-17	28.09.2016

7325 R 7328

ख अपील आदेश संख्या (Order-In-Appeal No.):

KCH-EXCUS-000-APP-188-2017-18

आदेश का दिनांक / Date of Order:	20.02.2018	जारी करने की तारीख / Date of issue:	23.02.2018
------------------------------------	-------------------	--	-------------------

कुमार संतोष, आयुक्त (अपील्स), राजकोट द्वारा पारित /
Passed by Shri Kumar Santosh, Commissioner (Appeals), Rajkot

ग अथवा आयुक्त/संयुक्त आयुक्त/उपआयुक्त/सहायक आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क/सेवाकर, राजकोट / जयनगर / गंधीधाम द्वारा उपरलिखित ज्ञापन मूल आदेश से सूचित /
Arising out of above mentioned OIO issued by Additional/Joint/Deputy/Assistant Commissioner, Central Excise / Service Tax, Rajkot / Jamnagar / Gandhidham

घ **अपीलकर्ता & प्रतिवादी का नाम एवं पता /Name & Address of the Appellant & Respondent :-**
1.M/s. Kesari Oil P. Ltd.,Plot No. 7 & 8, Survey No. 32, Village : Meghpar Borichi,Anjar Galpadar Road, Taluka Gandhidham

इस आदेश(अपील) से व्यक्त कोई व्यक्ति निम्नलिखित तरीके से उपयुक्त प्राधिकारी / प्राधिकरण के समक्ष अपील दायर कर सकता है।/
Any person aggrieved by this Order-in-Appeal may file an appeal to the appropriate authority in the following way

(A) सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण के प्रति अपील, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 की धारा 35B के अन्तर्गत एवं वित्त अधिनियम, 1994 की धारा 86 के अन्तर्गत निम्नलिखित जगह की जा सकती है। /
Appeal to Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal under Section 35B of CEA, 1944 / Under Section 86 of the Finance Act, 1994 an appeal lies to-

(i) विशेषण न्यायालय से सम्बन्धित सभी मामलों सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण की विशेष पीठ, वेस्ट ब्लॉक नं 2, आर.के. पुराम, नई दिल्ली, को की जानी चाहिए। /
The special bench of Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal of West Block No. 2, R.K. Puram, New Delhi in all matters relating to classification and valuation.

(ii) उपरोक्त परिच्छेद 1(a) में बताए गए अपील के अलावा शेष सभी अपीलें सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण (सिस्टैट) की पश्चिम क्षेत्रीय पीठिका, टिबिलीय नगर, बहामनी भवन असावा अहमदाबाद-380016 को की जानी चाहिए। /
To the West regional bench of Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal (CESTAT) at, 2nd Floor, Bhaumali Bhawan, Asawa Ahmedabad-380016 in case of appeals other than as mentioned in para- 1(a) above

(iii) अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष अपील चक्रवर्तु कराने के लिए केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (अपील) नियमवली, 2001 के नियम 6 के अन्तर्गत निर्धारित किए गये फॉर्म EA-3 को धार धरितों से दर्ज किया जाना चाहिए। इसमें से कम से कम एक प्रति के साथ, जहां उत्पाद शुल्क की राशि अथवा सेवा कर अथवा सीमा शुल्क 5 लाख या उससे कम, 5 लाख रुपए या 50 लाख रुपए तक अथवा 50 लाख रुपए से अधिक है तो क्रमशः 1,000/- रुपये, 5,000/- रुपये अथवा 10,000/- रुपये का निर्धारित जमा शुल्क की प्रति प्रस्तुत करें। निर्धारित शुल्क का भुगतान, संबंधित अपीलीय न्यायाधिकरण की शाखा के सहायक रजिस्टार के नाम से किसी भी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक द्वारा जारी रेकॉमिंड बैंक ड्राफ्ट द्वारा किया जाना चाहिए। संबंधित ड्राफ्ट का भुगतान, बैंक की उस शाखा में होना चाहिए जहां संबंधित अपीलीय न्यायाधिकरण की शाखा स्थित है। स्थगन आदेश (स्टे ऑर्डर) के लिए आवेदन-पत्र के साथ 500/- रुपए का निर्धारित शुल्क जमा करना होगा। /
The appeal to the Appellate Tribunal shall be filed in quadruplicate in form EA-3 / as prescribed under Rule 6 of Central Excise (Appeal) Rules, 2001 and shall be accompanied against one which at least should be accompanied by a fee of Rs. 1,000/- Rs.5000/-, Rs.10,000/- where amount of duty demand/interest/penalty/refund is upto 5 Lac., 5 Lac to 50 Lac and above 50 Lac respectively in the form of crossed bank draft in favour of Asst. Registrar of branch of any nominated public sector bank of the place where the bench of any nominated public sector bank of the place where the bench of the Tribunal is situated. Application made for grant of stay shall be accompanied by a fee of Rs. 500/-

(B) अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष अपील, वित्त अधिनियम, 1994 की धारा 86(1) के अन्तर्गत सेवाकर नियमवली, 1994 के नियम 9(1) के तहत निर्धारित फॉर्म S.T.-5 से धार धरितों से की जा सकती है एवं उसके साथ जिस आदेश के विरुद्ध अपील की गयी हो, उसकी प्रति साथ में संलग्न की (उनमें से एक प्रति चक्रवर्तु होनी चाहिए) और इनमें से कम से कम एक प्रति के साथ, जहां सेवाकर की राशि अथवा सेवा कर अथवा सीमा शुल्क 5 लाख या उससे कम, 5 लाख रुपए या 50 लाख रुपए तक अथवा 50 लाख रुपए से अधिक है तो क्रमशः 1,000/- रुपये, 5,000/- रुपये अथवा 10,000/- रुपये का निर्धारित जमा शुल्क की प्रति प्रस्तुत करें। निर्धारित शुल्क का भुगतान, संबंधित अपीलीय न्यायाधिकरण की शाखा के सहायक रजिस्टार के नाम से किसी भी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक द्वारा जारी रेकॉमिंड बैंक ड्राफ्ट द्वारा किया जाना चाहिए। संबंधित ड्राफ्ट का भुगतान, बैंक की उस शाखा में होना चाहिए जहां संबंधित अपीलीय न्यायाधिकरण की शाखा स्थित है। स्थगन आदेश (स्टे ऑर्डर) के लिए आवेदन-पत्र के साथ 500/- रुपए का निर्धारित शुल्क जमा करना होगा। /
The appeal under sub section (1) of Section 86 of the Finance Act, 1994, to the Appellate Tribunal Shall be filed in quadruplicate in Form S.T.5 as prescribed under Rule 9(1) of the Service Tax Rules, 1994, and shall be accompanied by a copy of the order appealed against (one of which shall be certified copy) and should be accompanied by a fee of Rs. 1000/- where the amount of service tax & interest demanded & penalty levied of Rs. 5 Lakhs or less, Rs.5000/- where the amount of service tax & interest demanded & penalty levied is more than five lakhs but not exceeding Rs. Fifty Lakhs, Rs.10,000/- where the amount of service tax & interest demanded & penalty levied is more than fifty Lakhs rupees, in the form of crossed bank draft in favour of the Assistant Registrar of the bench of nominated Public Sector Bank of the place where the bench of Tribunal is situated. / Application made for grant of stay shall be accompanied by a fee of Rs.500/-

(i) विल अपीलियम, 1994 की धारा 86 की उप-धाराओं (2) एवं (2A) के अंतर्गत दंड की नयी अपील, सेवान्वय नियमवली, 1994, के नियम 9(2) एवं 9(2A) के तहत निर्धारित फॉर्म ST-7 में की जा सकती एवं उसके साथ अथवा, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिकाधिकृत (अपील), केन्द्रीय उत्पाद शुल्क द्वारा पारित आदेश की प्रतियाँ संलग्न की (अर्थात् में एक प्रति प्रामाणिक होती चाहिए) और आवश्यकतयां सहायक अनुसूचक अथवा उपानुसूचक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क सेवान्वय, को अपीलीय न्यायाधिकरण को आवेदन दंडे करने का निर्देश देने वाले आदेश की प्रति भी साथ में संलग्न करनी होगी। / The appeal under sub section (2) and (2A) of the section 86 the Finance Act 1994, shall be filed in Form ST.7 as prescribed under Rule 9 (2) & 9(2A) of the Service Tax Rules, 1994 and shall be accompanied by a copy of order of Commissioner Central Excise or Commissioner, Central Excise (Appeals) (one of which shall be a certified copy) and copy of the order passed by the Commissioner authorizing the Assistant Commissioner or Deputy Commissioner of Central Excise/ Service Tax to file the appeal before the Appellate Tribunal.

(ii) सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवान्वय अपीलीय प्राधिकरण (सेस्टैट) के प्रति अपील के अंतर्गत में केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अपीलियम 1994 की धारा 35एक के अंतर्गत, जो की वित्तीय अपीलियम, 1994 की धारा 83 के अंतर्गत सेवान्वय को भी लागू की गई है, इस आदेश के प्रति अपीलीय प्राधिकरण में अपील करते समय उत्पाद शुल्क/सेवा कर आग के 10 प्रतिशत (10%), जब मात्र एवं दुर्भाग्य विहित है, या दुर्भाग्य, जब केवल दुर्भाग्य विहित है, का भुगतान किया जाए, बशर्ते कि इस धारा के अंतर्गत जमा कि जाने वाली अपीलित देय राशि दस करोड़ रुपए से अधिक न हो।
केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवान्वय के अंतर्गत "जमा किए गए शुल्क" में निम्न शामिल है
(i) धारा 11 डी के अंतर्गत रकम
(ii) सेवान्वय जमा की गई राशि
(iii) सेवान्वय जमा निष्ठावली के नियम 6 के अंतर्गत देय रकम
बशर्ते कि इस धारा के प्राधान्य वित्तीय (सं. 2) अपीलियम 2014 के अंतर्गत में पूर्व किसी अपीलीय प्राधिकारी के समक्ष विचारणीय स्थान अर्थात् एवं अपील को लागू नहीं होगी।

For an appeal to be filed before the CESTAT, under Section 35F of the Central Excise Act, 1944 which is also made applicable to Service Tax under Section 83 of the Finance Act, 1994, an appeal against this order shall lie before the Tribunal on payment of 10% of the duty demanded where duty or duty and penalty are in dispute, or penalty, where penalty alone is in dispute, provided the amount of pre-deposit payable would be subject to a ceiling of Rs. 10 Crores.

Under Central Excise and Service Tax, "Duty Demanded" shall include :

- (i) amount determined under Section 11 D;
- (ii) amount of erroneous Cenvat Credit taken;
- (iii) amount payable under Rule 6 of the Cenvat Credit Rules

provided further that the provisions of this Section shall not apply to the stay application and appeals pending before any appellate authority prior to the commencement of the Finance (No.2) Act, 2014.

(C) भारत सरकार को पुनरीक्षण आवेदन :
Revision application to Government of India:
इस आदेश की पुनरीक्षण व्यवस्था विस्तारित करने में, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अपीलियम, 1994 की धारा 35EE के प्रथम पंक्तिक के अंतर्गत अथवा सविध, भारत सरकार, पुनरीक्षण आवेदन इकाई, वित्त मंत्रालय, पारस्य भवन, लोदी बंगला, जीवन टॉप अफिस, संसद भवन, नई दिल्ली-110001, को किया जाना चाहिए। / A revision application lies to the Under Secretary, to the Government of India, Revision Application Unit, Ministry of Finance, Department of Revenue, 4th Floor, Jeevan Deep Building, Parliament Street, New Delhi-110001, under Section 35EE of the CEA 1944 in respect of the following case, governed by first proviso to sub-section (1) of Section-35B ibid

(i) यदि आग के किसी अनुसूचक के अंतर्गत में जहां अनुसूचक किसी आग को किसी कारखाने से अथवा गृह के पारगमन के दौरान या किसी अन्य कारखाने या किसी अथवा गृह से आग के अनुसूचक के दौरान, या किसी अथवा गृह में या अथवा गृह में आग के प्रसंस्करण के दौरान, किसी कारखाने या किसी अथवा गृह में आग के अनुसूचक के अंतर्गत में। / In case of any loss of goods, where the loss occurs in transit from a factory to a warehouse or to another factory or from one warehouse to another during the course of processing of the goods in a warehouse or in storage whether in a factory or in a warehouse

(ii) भारत के बाहर किसी राष्ट्र या क्षेत्र को निर्यात कर रहे आग के विनिर्माण में प्रयुक्त कच्चे आग पर भी नई केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के छूट (रिबेट) के अंतर्गत में, जो भारत के बाहर किसी राष्ट्र या क्षेत्र को निर्यात की गयी है। / In case of rebate of duty of excise on goods exported to any country or territory outside India of an excisable material used in the manufacture of the goods which are exported to any country, or territory outside India.

(iii) यदि उत्पाद शुल्क का भुगतान किए बिना भारत के बाहर, नेपाल या भूटान को आग निर्यात किया गया है। / In case of goods exported outside India export to Nepal or Bhutan, without payment of duty

(iv) सुनिश्चित उत्पाद के उत्पादन शुल्क के भुगतान के लिए जो दुसरी केस्टैट इस अपीलियम एवं इसके विभिन्न प्रावधानों के तहत भुगतान की गई है और ऐसे आदेश जो आवश्यक (अपील) के द्वारा विल अपीलियम (नं. 2), 1998 की धारा 109 के द्वारा नियत की गई तात्काल अथवा समावृत्ति पर या बंद में पारित किए गये हैं। / Credit of any duty allowed to be utilized towards payment of excise duty on final products under the provisions of this Act or the Rules made there under such order is passed by the Commissioner (Appeals) on or after, the date appointed under Sec. 109 of the Finance (No.2) Act, 1998.

(v) उपरोक्त आवेदन की दो प्रतियां फॉर्म संख्या EA-8 में, जो की केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (अपील) नियमवली, 2001, के नियम 9 के अंतर्गत विहित है, इस आदेश के संघर्ष के 3 माह के अंतर्गत की जानी चाहिए। उपरोक्त आवेदन के साथ मूल आदेश व अपील आदेश की दो प्रतियां संलग्न की जानी चाहिए। साथ ही केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अपीलियम, 1994 की धारा 35-EE के तहत निर्धारित शुल्क की अदायगी के संबंध में तौर पर TR-6 की प्रति संलग्न की जानी चाहिए। / The above application shall be made in duplicate in Form No. EA-8 as specified under Rule, 9 of Central Excise (Appeals) Rules, 2001 within 3 months from the date on which the order sought to be appealed against is communicated and shall be accompanied by two copies each of the OIO and Order-in-Appeal. It should also be accompanied by a copy of TR-6 Challan evidencing payment of prescribed fee as prescribed under Section 35-EE of CEA, 1944, under Major Head of Account.

(vi) पुनरीक्षण आवेदन के साथ निम्नलिखित निर्धारित शुल्क की अदायगी की जानी चाहिए।
जहां संलग्न रकम एक लाख रुपये या उससे कम हो तो रुपये 200/- का भुगतान किया जाए और यदि संलग्न रकम एक लाख रुपये से ज्यादा हो तो रुपये 1000 -/ का भुगतान किया जाए। / The revision application shall be accompanied by a fee of Rs. 200/- where the amount involved in Rupees One Lac or less and Rs. 1000/- where the amount involved is more than Rupees One Lac

(D) यदि इस आदेश में कई मूल आदेशों का समावेश है तो प्रत्येक मूल आदेश के लिए शुल्क का भुगतान, उपरोक्त इस से किया जाना चाहिए। इस लक्ष्य के होने पर भी की निम्न नई आदेशों के अंतर्गत में प्रामाणिक अपीलीय न्यायाधिकरण को एक अपील या केस्टैट सरकार को एक आवेदन किया जाता है। / In case, if the order covers various numbers of order in Original, fee for each O.I.O. should be paid in the aforesaid manner, notwithstanding the fact that the one appeal to the Appellate Tribunal or the one application to the Central Govt. As the case may be, is filed to avoid scriptoria work if excising Rs. 1 lakh fee of Rs. 100/- for each.

(E) न्यायाधिकृत न्यायालय शुल्क अपीलियम, 1975, के अनुसूची-1 के अनुसार मूल आदेश एवं स्थगन आदेश की प्रति पर निर्धारित 6.50 रुपये का न्यायालय शुल्क टिकट लगा होना चाहिए। / One copy of application or O.I.O. as the case may be, and the order of the adjudicating authority shall bear a court fee stamp of Rs. 6.50 as prescribed under Schedule-I in terms of the Court Fee Act,1975, as amended.

(F) सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवान्वय अपीलीय न्यायाधिकरण (संशोधित) नियमवली, 1982 में वर्णित एवं अन्य संबंधित मामलों को सम्बन्धित करने वाले नियमों की ओर भी ध्यान आकर्षित किया जाता है। / Attention is also invited to the rules covering these and other related matters contained in the Customs, Excise and Service Appellate Tribunal (Procedure) Rules, 1982.

(G) उक्त अपीलीय प्राधिकारी को अपील व्यवस्था करने में संबंधित सामग्री, निम्न और संबंधित प्रावधानों के लिए, अपीलीय विचारणीय वेबसाइट www.cbec.gov.in की देख सकते हैं। / For the elaborate, detailed and latest provisions relating to filing of appeal to the higher appellate authority, the appellant may refer to the Departmental website www.cbec.gov.in

:: ORDER IN APPEAL ::

M/s. Kesri Oil Pvt. Ltd., Plot No. 7 & 8, Survey No. 32, Village: Meghpar Borichi, Anjar Galpadar Road, Taluka: Anjar (Kutch), Pin: 370 201 (hereinafter referred to as 'the appellant') filed the present appeal, against Order-In-Original No. 02/AC/ANJAR/2016-17 dated 28.09.2016 (hereinafter referred to as 'the impugned order') issued by the Assistant Commissioner, Central Excise Division, Anjar (hereinafter referred to as 'the lower adjudicating authority').

2. The brief facts of the case are that the appellant is a manufacture of Transformer Oil falling under CETSH No. 2710 1990 of the First Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 and the audit of the appellant revealed that they had sold their product to their another unit situated at Faridabad i. e. related person at reduced rate in comparison to the normal rates, which were adopted for sales to unrelated buyers. In view of Section 4 of the Central Excise Act, 1944 (hereinafter referred to as 'the Act'), the value of the goods in such cases should be normal transaction value at which these goods are sold to unrelated buyers and hence value for Transformer Oil sold by the appellant to the related persons should be the price at which goods are normally sold to unrelated person. Show Cause Notice No. V.27/15-47/Anjar/2015-16 dated 08.01.2016 demanding differential central excise duty of Rs. 3,98,170/- on such undervalued clearances to the related buyers during period from July, 2010 to January, 2011 under Section 11A(4) of the Act and proposing to appropriate Rs. 3,98,170/- paid by them before issuance of the SCN and for recovery of interest under Section 11AA of the Act and for imposing penalty under Section 11AC of the Act. The said SCN was adjudicated by the lower adjudicating authority vide impugned order, wherein demand of central excise duty of Rs. 3,98,170/- was confirmed under Section 11A(4) of the Act and appropriated the same as appellant had already paid along with interest under Section 11AA of the Act and imposed penalty of Rs. 3,98,170/- under Rule 25 of the Central Excise Rules, 2002 read with Section 11AC of the Act.



3. Being aggrieved with the impugned order, the appellant preferred the present appeal on the grounds as follows:

(i) The appellant had paid demand of Rs. 3,98,170/- before issuance of the show cause notice and hence, the show cause notice as well as the impugned order was not required to be issued as per Section 11A of the Act.

(ii) The appellant submitted that they had balance in their cenvat credit account more than the central excise duty demanded at the relevant time and they had reversed central excise duty demanded from the cenvat credit account and hence interest should not be levied under Rule 14 of the Cenvat Credit Rules, 2004.

(iii) There is no revenue loss as cenvat credit of duty paid by the appellant is available at their another unit situated at Faridabad and hence issue was revenue neutral. Therefore, it cannot be said involvement of suppression, mis-statement etc. for evasion of central excise duty and hence extended period cannot be invoked and the demand hit by limitation.

(iv) Penalty is not imposable due to non-availability of ingredient of fraud, suppression, willful mis-statement etc. on the part of the appellant as case is revenue neutral.

4. Personal hearing in the matter was attended by Shri Paresh Koka, Accountant of the appellant, who reiterated the grounds of appeal; that he failed to give any reason for delay in filing appeal; that he has nothing more to submit on the issue.

Findings:

5. I have carefully gone through the facts of the case, impugned order, appeal memorandum. The limited issue to be decided in the present appeal is whether appeal has been filed in time and if not, whether it is maintainable or not.

6. I find that the appellant had received the impugned order on 30.09.2016, however, and filed present appeal on 28.12.2016 hence delay of 28 days. The appellate authority as per Section 35 of the Act has power to condone delay of maximum up to further 30 days, over and above the normal period of 60 days on reasonable cause being shown. In the present case, no request for condonation of delay has been filed by the appellant even after the appellant was requested by the appellant vide letters dated 03.01.2017 and dated 18.01.2018. Hence, I have no other option but to hold that the appellant has filed the present appeal beyond stipulated time limit of 60 days provided under the statute and in absence of any justification shown by the appellant for delayed filing of appeal by 28 days, the appeal is required to be dismissed on the ground of delayed filing of appeal without discussing merits of the case.

7. In view of above, I dismiss the appeal filed by the appellant holding it not maintainable.

८. अपीलकर्ता द्वारा दर्ज की गई अपील का निपटारा उपरोक्त तरीके से किया जाता है।

8. The appeal filed by the appellant is disposed off in above terms.

(कुमार संतोष)
20/11/2018
(अपील्स) आयुक्त

By R.P.A.D.

To,

M/s. Kesri Oil Pvt. Ltd.,
Plot No. 7 & 8, Survey No. 32, Village:
Meghpar Borichi, Anjar Galpadar Road,
Taluka: Anjar (Kutch), Pin: 370 201.

मेसर्स केसरी ऑइल प्रा. ली.,
प्लॉट नं. ७ एवं ८, सर्वे नं. ३२, गाँव: मेघपर
बोरिची, अंजार गलपादर रोड, तालुका:
अंजार (कच्छ), पिन: ३७० २०१.

Copy for information and necessary action to:

- 1) The Chief Commissioner, CGST & Central Excise, Ahmedabad Zone, Ahmedabad for kind information please.
- 2) The Commissioner, CGST & Central Excise Commissionerate, Gandhidham.
- 3) The Assistant Commissioner, CGST & Central Excise Division – Anjar, Gandhidham.
- 4) Guard File.